मरूमेघ
किसान ई – पत्रिका
www.marumegh.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
©2019 marumegh
ISSN:2456-2904

बड चिप विधि से गन्ने की नर्सरी तैयारी एवं रोपाई

शनि कुमार सिंह[1], आलोक पटेल[2], सुधांशु वर्मा[3] एवं कमल रवि शर्मा[4]
[1]प्रसार शिक्षा विभाग, [2]मृदा विज्ञान विभाग, [3]सस्य विज्ञान विभाग, [4]कीट एवं कृषि जन्तु विभाग
कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी– 221 005

भूमिका

गन्ना एक प्रमुख नकदी फसल है जिसकी खेती में आने वाले कुछ प्रमुख समस्याएं इस प्रकार हैं

(i) अधिक बीज गन्ने की आवश्यकता। (ii) बीज गन्ने के परिवहन में असुविधा।

(ii) रोगों एवं कीटों का अधिक प्रभाव।

इन सभी समस्याओं को देखते हुए तथा इनके निवारण के लिए बड चिप तकनीक एक अच्छा विकल्प है।

बड चिप तकनीक क्या है ?

बड चिप तकनीक गन्ना उत्पादन की एक ऐसी आधुनिक तकनीक है जिसमें बड चिपर यंत्र के द्वारा गन्ने की बड (आंख) को काट कर इसे रासायनिक घोल से शोधित कर पॉलीबैग के मृदा मिश्रण में तिरछा लगाकर नर्सरी तैयार करते हैं तथा इससे तैयार नर्सरी को 25 से 30 दिन के उपरांत मुख्य खेत में प्रतिरोपित कर देते हैं।

बुवाई का समय

- शरदकालीन : अक्टूबर–नवंबर
- वसंतकालीन : जनवरी–फरवरी
- ग्रीष्मकालीन : जुलाई–अगस्त

नर्सरी हेतु स्थान का चुनाव

- समतल एवं छायादार स्थान
- पानी की पर्याप्त उपलब्धता

रोपाई

- पंक्ति से पंक्ति की दूरी – 90 सेमी0
- पौध सेपौध की दूरी – 45 सेमी0

आवश्यक सामग्री

रोगमुक्त गन्ना (6 से 8 माह)	मृदा , साड़ी हुई गोबर की खाद , बालू
बड चिपरयंत्र	कवकनाशी कार्बेंडाजिम 0.2 प्रतिशत यानि 2 ग्राम प्रति लीटर पानी
प्लास्टिक ट्रे/पॉलीबैग (25000–260000)	

चिपरयंत्र

- हाथ संचालित यंत्र
- क्षमता 250 से 500 बड प्रतिघंटा
- मूल्य रूपया 1500/–
- अवधि 6–8 साल
- वजन 3–3.5 किग्रा

चिपरयंत्र

नर्सरी तैयार करने की विधि

1. बड चिप की तैयारी

- रोगमुक्त गन्ने का चुनाव (6 से 8 माह)।

बड चिप

- बड चिपरयंत्र की सहायता से चुने हुए गानों के प्रत्येक बडको सावधानी पूर्वक निकालेलें।
- एक हेक्टेयर खेत के लिए 25000से 26000 बड चिप तैयार कर लें (4 –5) कुं0/हे।
- बड चिप को 100ग्राम कवकनाशी और 50 लीटर पानी के घोल में 20 मिनट तक भिगोए।
- शोधित बड को किसी छायादार जगह पर प्लास्टिक शीट पर फैलाकर 2 घंटे के लिए सुखाएं।

2. पॉलीबैग/पॉली ट्रे की तैयारी

- मिट्टी + सड़ी हुई गोबर की खाद + बालू का मिश्रण (1:1:1) तैयार करें।
- मिश्रण को पॉलीबैग 2/3 भाग तक भर लें।
- बड को तिरछा करके लगाएं।
- उसके बाद मृदा मिश्रण की पतली परत चढ़ाकर पानी का छिड़काव करें।
- 2 से 3 दिन के अंतराल पर आवश्यकता अनुसार पानी का छिड़काव करते रहें।

पॉलीबैग/पॉली ट्रे

मुख्य खेत में प्रतिरोपण

- मुख्य खेत की तैयारी पारंपरिक तरीके से ही करें। 25 से 30 दिन के पौधे (2–3) पत्ती वाली अवस्था को मुख्य खेत में प्रतिरोपित करें (90 ×45 सेमी0)।

लाभ :–

- बीज दर में कमी (85 से 90 प्रतिशत)।
- परिवहन की सुगमता।
- फसल अवधि में कमी।
- उत्पादन में वृद्धि (20 से 22 प्रतिशत)।
- पौधों के व्यापारीकरण का अवसर।
- खाली स्थानों को भरने में उपयोगी।

बाधाएं

- ज्यादा मजदूरों की आवश्यकता।
- अत्यधिक देखभाल क आवश्यकता।

सावधानियां

- स्वस्थ गन्ने का ही प्रयोग करें।
- काटते समय आंखे (बड) प्रभावित ना हो।
- बड चिप को तिरछा लगाएं।
- पॉलीबैग में पानी का जमाव ना होने दें।
- ऊपरी आधे गन्ने का ही प्रयोग करें।